.....

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

(कुलसचिव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के पत्रांक 4869/अका/2022 दिनांक 3/05/2022 एव प्राचार्य शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के सूचनादेश दिनांक 20/04/2024 द्वारा सत्र–2024–25 के लिए स्नातक (**FYUGP (CBCS And LOCF COURSE)** हिंदी भाषा एवं हिंदी साहित्य का अनुमोदित पाठ्यक्रम)

FYUGP (CBCS And LOcf course)

(सत्र–2024–25)

सेमेस्टर प्रणाली

(बी. ए.–सेमेस्टर 5 एवं 6 का पाठ्यक्रम)

(डॉ. शंकर मुनि राय)
विभागाध्यक्ष, हिंदी

(डॉ. के. एल. टाण्डेकर)
प्राचार्य

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप
(सत्र 2024–25)
विषय : हिन्दी साहित्य (Disciplinary Specific Course)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–5	विषय : हिंदी साहित्य–5
पाठ्यक्रम का स्वरूप : (DSC-5) मूल पाठ्यक्रम हिंदी	विषय कोड :
पाठ्यक्रम का नाम : छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80+20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

Program outcomes : **(पाठ्यक्रम प्रतिफल)**	• छत्तीसगढ़ की राजभाषा छत्तीसगढ़ी होने के कारण जरूरी है कि स्थानीय पाठ्यक्रम में इसकी उपयोगिता सिद्व की जाए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी को पाठ्यक्रम का अंग बनाया गया है। अतः इस भाषा का और इसमे रचित साहित्य और इसके ऐतिहासिक विकास के साथ ही इसके प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य होगा।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• यह प्रश्नपत्र छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास एवं विकास की पृष्ठभूमि को रेखांकित करता है। • इसमें छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास प्रमुख पाठ्य विषय हैं। • इसमें छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन किया जाएगा। • इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के प्रति रूचि व बोध विकसित होगा।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य : (क) लोक साहित्य का अर्थ, स्वरुप, विशेषताएं एवं प्रकार। (ख) लोकगाथा, लोककथा, लोकगीतों का परिचय (ग) मुहावरे, लोकोक्तियां एवं पहेलियो की विशेषताएं एवं प्रकार
2	15	1. धरमदास के तीन पद : (क) गुरु पइयां लागवं नाम लखा दीजो हों (ख) नैनन आगे ख्याल घनेरा (ग) भजन करो भाई रे अइसन तन पायके।

		2. सीख–सीख के गोठ (निबंध)–डॉ. सत्यभामा आड़िल 3. मोर संग चलव रे–लक्षमण मस्तुरिया
3	15	4. डॉ. विनय पाठक की कविताएं– तंय उठथस सुरूज उथे, एक किसिम के नियाव, (अकादसी और अनचिन्हार पुस्तक से उधृत) 5. मुकुंद कौशल : (छत्तीसगढ़ गजल) "छै बित्ता के मनखे देखों.....से– मछरी मन लाख लेथे" तक (पुस्तक 'छत्तीसगढ़ गजल' के पृष्ठ 17 से उधृत)
4	15	**द्रुतपाठ के रचनाकर**– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) 1. संत घासीदास 2. सुंदरलाल शर्मा 3. कपिलनाथ कश्यप, 4. रामचंद्र देशमुख (रंगकर्मी) 5. सरला शर्मा

संदर्भग्रंथ–

8. छत्तीसगढ़ी कहावतें, मुहावरे एवं पहेलियां– संपादक–थानसिंह वर्मा एवं डॉ शंकर मुनि राय (शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय प्रकाशन)
9. जनपदीय भाषा–साहित्य : डॉ. सत्यभामा आडिल (छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी)

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	पदाध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप

(सत्र 2024–25)

विषय : हिन्दी साहित्य (Disciplinary Specific Course)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय : हिंदी साहित्य–6
पाठ्यक्रम का स्वरूप : **(DSC-6)** मूल पाठ्यक्रम हिंदी	विषय कोड :
पाठ्यक्रम का नाम : **हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन**	
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80+20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• हिंदी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है उतना ही गूढ़गहन भी। इसमे रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिंदी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। साथ–साथ हिंदी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है उसे भी रुपायित करने की आवश्यकता है। संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का समावेश होगा।
(Program specific outcomes (Pso) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• यह प्रश्नपत्र हिंदी भाषा के इतिहास और विकास कम को रेखांकित करता है। • इसमें हिंदी भाषा के विविध रूपों के अध्ययन से विद्यार्थियों में गहरी रुचि विकसित होगीं। • इसके अध्ययन सें हिंदी भाषा एवं साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की परख विकसित होगी। • इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में काव्य के विविध अंगो की शास्त्रीय जानकारी और उसके प्रति रचनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	**(क)** हिंदी भाषा का स्वरूप–विकास : हिंदी की उत्पत्ति, हिंदी की मूल आधार भाषाएं तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिदी भाषा के विभिन्न रूप– 1. बोलचाल की भाषा 2. रचनात्मक भाषा 3. राष्ट्रभाषा, 4. राजभाषा 5. संपर्क भाषा 6. संचार भाषा। हिंदी का शब्द भंडार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।
2	15	**(ख)** हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल (पूर्व मध्यकाल,

		उत्तर मध्यकाल) :सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं प्रमुख युग प्रवृत्तियां
3	15	**(ग)** आधुनिक काल : :सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियां, विशिष्ट रचनाकार, और उनकी प्रतिनिधि कृतियां, साहित्यिक विशेषताएं।
4	15	**(घ)** काव्यांग : काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, अंग विभावादि तथा उदाहरण। प्रमुख पांच छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, कुंडलियां तथा सवैया। अलंकार : शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरुक्ति प्रकाश। अर्थालंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन–सत्यभामा आड़िल एवं आभा तिवारी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–सं. डॉ. सुनील त्रिवेदी एवं बाबूलाल शुक्ल, प्रकाशक– मप्र. उच्च शिक्षा अनुदान आयोग
3. राजभाषा हिंदी –मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
4. हिंदी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	पदाध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव

हिंदी विभाग

चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप
(सत्र 2024–25)

विषय : सामान्य चयन (General Elective)-3

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–5	विषय : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : छत्तीसगढ़ी व्याकरण	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : छत्तीसगढ़ी व्याकरण
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	छत्तीसगढ़ी राजभाषा होने के कारण इसकी व्याकरणिक कोटियों का व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को कराना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ी को मौखिक परंपरा से उठाकर साहित्यिक स्तर पर परखने के लिए इसका व्याकरण समझना बहुत जरूरी है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी व्याकरण के आधारभूत अंशों को पाठ्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्याथियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी व्याकरण से संबधित जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	• छत्तीसगढ़ी भाषा : सामान्य परिचय–नामकरण, प्रकार एवं भौगोलिक विस्तार • छत्तीसगढ़ी बोलियों का वर्गीकरण : प्रकार एवं क्षेत्र विस्तार • वर्णमाला, लिंग, वचन एवं कारक
2	15	• छत्तीसगढ़ी : विविध रूप–मानक एवं अमानक छत्तीसगढ़ी • संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण किया एवं किया विशेषण • छत्तीसगढ़ी शब्द रचना–विधि : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास
3	15	• छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियां : अर्थ, स्वरूव एवं विशेषताएं

		• हाना (कहावत) और मुहावरे : अर्थ एवं प्रयोग • जनउला : अर्थ एवं प्रयोग
4	15	• व्यावहारिक छत्तीसगढ़ी : विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द • छत्तीसगढ़ी लोक व्यावहारी शब्द : फल एवं सब्जियों के नाम • पशु–पक्षियों के नाम, शरीरांग एवं घर गृहस्थी के शब्द

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी का संपूर्ण व्याकरण –डॉ. विनय कुमार पाठक एवं विनोद कुमार वर्मा, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी
3. छत्तीसगढ़ी बोली का व्याकरण–हीरालाल काव्योपाध्याय, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी
4. छत्तीसगढ़ी भाषा का वर्तमान स्वरूप–चंद्रकुमार चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी
5. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियां–डॉ. चित्तरंजन कर
6. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश–डॉ पालेश्वर प्रसाद शर्मा

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	पदाध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	25.4.24
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि पदाध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	

12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप
(सत्र 2024–25)
विषय : सामान्य चयन (General Elective)-4

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय :प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखना	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : प्रायोजनिक हिंदी एवं मीडिया लेखन
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को लेकर तैयार किये गये इस पाठ्यक्रम में हिंदी के विविध रूपों की भाषायी प्रकृति सहित उनके उपयोगी क्षेत्रों का का ज्ञान विद्यार्थियों को कराना अनिवार्य समझाा गया हैं। साथ ही मीडिया लेखन और उसकी सावधानियों की तकनीकी जानकारी देना तथा आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के समाचारों की लेखन कला की जानकारी देना एक रोजगारी पाठ्यक्रम के रूप में साबित होगा।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों के भाषायी ज्ञान की उपयोगिता साबित होगी। • अखबारी, आकाशवाणी तथा मीडिया के विविध क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक विद्यार्थी अपनी भाषायी लेखन क्षमता का उपयोग सहजता से कर सकेंगे।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	प्रायोजनिक हिंदी : परिभाषा, उद्देश्य उपयोगिता एवं क्षेत्र हिंदी के विविध रूप : सृजनात्मक हिंदी, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा एवं विज्ञापन की भाषा
2	15	मीडिया लेखन : मीडिया का अर्थ एवं प्रकार, समाचार का अर्थ एवं महत्व, आकाशवाणी, अखबारी एवं दूरदर्शिनी समाचार, समाचार संकलन एवं लेखन की सावधानियां
3	15	संपादन कला : शीर्षक निर्माण, पेज ले–आउट, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन, स्क्रीप्ट लेखन, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन।
4	15	कम्प्युटर का अनुप्रयोग : परिचय एवं विकास, वेब पब्लिशिंग, इंटरनेट, हिंदी के प्रमुख पोर्टल, सोशल मीडिया का स्वरूप

सहायक ग्रंथ :

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) inkरूप
(सत्र 2024–25)
विषय : Discpline Specific Elective Course (DSE)-3

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–5	विषय : छायावादोत्तर हिंदी साहित्य (काव्य)–1
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : छायावादोत्तर हिंदी साहित्य (काव्य)–1	विषय कोड :
केडिट : 04	व्याख्यान : 60
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : छायावादोत्तर हिंदी साहित्य (काव्य)–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	• छायावादोत्तर काव्य के अंतर्गत प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के नामकरण, प्रवृत्तियां एवं रचनागत विशेषताओं के अध्ययन को केंद्रित यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है।आधुनिक काल के प्रमुख कवियों में गजानन माधव मुक्तिबोध, रामधारी सिंह 'दिनकर,, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', नागार्जुन, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता, शमशेर बहादुर, धर्मवीर भारती, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल,' श्रीकांत वर्मा जैसे कवियों कें व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विद्यार्थियों को जानकारी देना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत हिंदी साहित्य की प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता के नामकरण, प्रवृत्तियां एवं रचनागत विशेषताओं की जानकारी देते हुए कालानुसार उसके स्वरूप से विद्याथियों को अवगत कराया जाएगा। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्याथियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता प्रमुख रचनाकारों के बारे में जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	• छायावादोत्तर काव्य : सामान्य परिचय • प्रगतिवाद : प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवियो की रचनागत विशेषताएं (गजानन माधव मुक्तिबोध, रामधारी सिंह 'दिनकर', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', नागार्जुन)
2	15	• प्रयोगवाद : प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवियों की रचनागत विशेषताएं

		सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता, शमशेर बहादुर
3	15	• नई कविता : : नामकरण, प्रवृत्तियां एवं रचनागत विशेषताएं • प्रमुख कवि : धर्मवीर भारती, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल,' श्रीकांत वर्मा कुंवर नारायण
4	15	• प्रमुख कविताओं की समीक्षा • भिक्षुक–निराला, विज्ञान और मनुष्य–दिनकर, अकाल और उसके बाद–नागार्जुन, हो गई है पीर पर्वत.....–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. आधुनिक हिंदी साहितय का इतिहास– बच्चन सिंह
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– नंददुलारे वाजपेयी
4. हिन्दी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
5. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास एवं विश्लेषण – विजय मोहन सिंह

पाठ्यकम समिति के सदस्य :

कम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	

12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	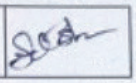

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप
(सत्र 2024–25)
विषय : Discpline Specific Elective Course (DSE)-4

सत्र : 2024–25	**स्नातक**
सेमेस्टर–6	**विषय : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य– 2**
पाठ्यक्रम का स्वरूप : विषय : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	**विषय कोड :**
केडिट : 04	**व्याख्यान : 60**
अधिकतम अंक : 100 (80 +20)	**न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत**

शीर्षक	**पाठ्य विषय : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य**
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	हिंदी के लगभग डेढ हजार वर्षो के साहित्यिक इतिहास में जो कमशः बदलाव होते आये हैं, उसी के आधार पर हमारी शिक्षा नीति के आधार बनते–बिगड़ते और सवंर्द्धित होते रहे है। इसलिए विद्यार्थियों को इन सबकी जानकारी देना इस पाठ्यकम का उद्देश्य है। आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के अंतर्गत भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, का सामान्य अध्ययन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। उनसे यह अपेक्षा की जा सकती है कि उन्हें हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी किस स्तर तक है। इस कम में उससे यह भी अपेक्षित है कि उन्हें अपनी साहित्यिक दुनिया की प्रवृत्तियों की जानकारी हो।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यकम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत हिंदी गद्य साहित्य के अंतर्गत नाटक एवं नाटककार, एकांकी और एकांकीकार, कहानी एवं कहानीकार के बारे में जानकारी देते हुए उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और स्वरूप से विद्यार्थियों को अवगत कराया जाएगा। • प्रस्तुत पाठ्यकम के अध्ययन से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • हिंदी के प्रमुख नाटककार, एकांकीकार एवं कहानीकार तथा उनकी कुछ रचनाओं के बारे में जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	15	• आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, का सामान्य परिचय
2	15	• नाटक : व्याख्या एवं समीक्षा

		क. आगरा बाजार–हबीब तनवीर ख. अंधों का हाथी–शरद जोशी
3	15	• कहानी : कहानीकारों की शैली, व्याख्या एवं समीक्षा क. बुढ़ी काकी– प्रेमचंद ख. पंचलाइट–फंणीश्वरनाथ 'रेणु'
4	15	• एकांकी : एकांकीकारों की शैली, व्याख्या एवं समीक्षा क. पृथ्वीराज की आंखें–रामकुमार वर्मा ख. कोणार्क–जगदीशचंद्र माथुर

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– नंददुलारे वाजपेयी
3. हिन्दी का गद्य साहित्य रामचंद्र तिवारी
4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास एवं विश्लेषण – विजय मोहन सिंह

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप
(सत्र 2024–25)
विषय : बौद्धिक क्षमता विकास (Skill Enhancement Course)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–5	विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास –1
पाठ्यक्रम का स्वरूप : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–1	विषय कोड :
केडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 50 (ESE40 +IA10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–1
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	छत्तीसगढ़ की राजभाषा छत्तीसगढ़ी होने के कारण इसके साहित्यिक इतिहास और रचना धर्म से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ी के साहित्य लेखन में जिन महत्वपूर्ण रचनाकारों की सूची बनती है, उनकी कुछ प्रमुख कृतियों को भी अध्ययन सामग्री के रूप में यहां शामिल किया गया है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी व्साहित्य के कुछ प्रमुख रचनाकारों की कृतियों को पाठ्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्याथियों को अपने प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी साहित्य से संबधित जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	10	• छत्तीसगढ़ी साहित्य : ऐतिहासिक पृष्ठभमि, स्वरूप एवं विकासकम • आदिकालीन काव्य गाथा युगः प्रमुख गाथा साहित्य का परिचय • प्रेम प्रधान गाथाएं, धार्मिक और पौराणिक गाथाएं
2	10	• मध्यकालीन काव्य गाथा युग : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय • वीरगाथाएं : धार्मिक और सामाजिक गीत
3	10	• गाथा काव्य की समीक्षा : पंडवानी एवं भरथरी की समीक्षा

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव
हिंदी विभाग
चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (CBCS And LOCF) प्रारूप
(सत्र 2024–25)
विषय : बौद्धिक क्षमता विकास (Skill Enhancement Course)

सत्र : 2024–25	स्नातक
सेमेस्टर–6	विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास –2
पाठ्यक्रम का स्वरूप : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–2	विषय कोड :
केडिट : 02	व्याख्यान : 30
अधिकतम अंक : 50 (ESE40 +IA10)	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40 प्रतिशत

शीर्षक	पाठ्य विषय : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास–2
Program outcomes : (पाठ्यक्रम प्रतिफल)	छत्तीसगढ़ की राजभाषा छत्तीसगढ़ी होने के कारण इसके साहित्यिक इतिहास और रचना धर्म से विद्यार्थियों को परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ी के साहित्य लेखन में जिन महत्वपूर्ण रचनाकारों की सूची बनती है, उनकी कुछ प्रमुख कृतियों को भी अध्ययन सामग्री के रूप में यहां शामिल किया गया है।
(Program specific outcomes (Psos) : (पाठ्यक्रम वैशिष्ट्य प्रतिफल)	• इसके अंतर्गत छत्तीसगढ़ी साहित्य के कुछ प्रमुख रचनाकारों की कृतियों को पाठ्य विषय के रूप में शामिल किया गया है। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्याथियों को अपने प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी। • इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी साहित्य से संबधित जो अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, उससे विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरूचि में भी वृद्धि होगी।

इकाई	व्याख्यान	पाठ्य विषय
1	10	• आधुनिक युग : काव्य और प्रमुख काव्यकार का सामान्य परिचय • प्रमुख पद्यकार – हरि ठाकुर, दानेश्वर शर्मा और कोदूराम दलित का साहित्यिक परिचय
2	10	• गद्य साहित्य : गद्य और प्रमुख गद्यकार का सामान्य परिचय • गद्य साहित्यकार– लखनलाल गुप्त, केयूर भूषण, परदेशी राम वर्मा
3	10	• कृति समीक्षा • लखनलाल गुप्त – सोनपान, खूबचंद बघेल– करमछड़हा

सहायक ग्रंथ / पुस्तकें :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भव और विकास –नरेन्द्रदेव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी भाषा ओर साहित्य– डॉ. सत्यभामा आड़िल

पाठ्यक्रम समिति के सदस्य :

क्रम.	नाम	पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. शंकर मुनि राय	विभागाध्यक्ष–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
2.	डॉ. श्रद्धा चंद्राकर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, बालोद	
3.	डॉ. अंजन कुमार मनोनीत विषय विशेषज्ञ	प्राध्यापक–हिंदी, कल्याण महाविद्यालय, भिलाई	
4.	डॉ. बी. एन. जागृत	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
5.	डॉ. प्रवीण साहू	विभागीय प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
6.	डॉ. नीलम तिवारी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
8.	डॉ. गायत्री साहू	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
9.	श्री कौशिक लाल बिशी	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
10.	रितु यादव	अतिथि प्राध्यापक–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगां	
11.	डॉ. लोकेश कुमार	पूर्व छात्र–हिंदी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव	
12.	श्री सतीश भट्टड	मनोनीत स्थानीय उद्योगपति, राजनांदगांव	